HRA AN AISHA The Gazette of India

EXTRAORDINARY

भाग II--खण्ड 3--उप-खण्ड (ji)

PART II---Section 3-Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY



सं॰ 685] No. 685] नई दिल्ली, मंगलवार दिसम्बर 9, 1997/अग्रहायण 18, 1919 NEW DELHI, TUESDAY, DECEMBER 9, 1997/AGRAHAYANA 18, 1919

भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड

अधिसूचना

मुम्बई, ९ दिसम्बर, 1997

भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (मर्चेंट बैंककार) संशोधन विनिमय, 1997

का.आ. 837(अ).—भारतीय प्रतिभृति और विनिमय बोर्ड, भारतीय प्रतिभृति और विनिमय बोर्ड अधिनियम, 1992 (1992 का 15) की धारा 30 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए एतद्वारा भारतीय प्रतिभृति और विनिमय बोर्ड (मर्चेंट बैंककार) विनिमय, 1992 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित विनिमय बनाता है।

- (i) इन विनिमयों को भारतीय प्रतिभृति और विनिमय बोर्ड (मर्चेंट वैंककार) संशोधन विनिमय, 1997 कहा जाएगा ।
 - वं राजपत्र में उनके प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।
- 2. भारतीय प्रतिभृति और विभिन्नय बोर्ड (मर्चेंट बैंककार) विनिन्नय, 1992 (इसमें इसके पश्चात कथित विनिन्नय के रूप में निर्दिष्ट) में.—
- (क) विनिमय 3 में, उप-विनियम 2 के प्रश्चात् एक नया उप-विनिमय (2क) निम्नानुसार परिवर्धित किया जाएगा, अर्थात् :— "2क—इस विनिमय में किसी बात के होते हुए भी, 9 दिसम्बर, 1997 से,
 - (i) उप-विभिन्नय (2) के अधीन आवेदन केवल उसमें खण्ड (क) में उल्लिखित क्रियाकलाप करने के लिए किया जा सकता है, और
 - (ii) आवेदक हामीदार के रूप में केवल तभी क्रियाकलाप कर सकता है यदि वह भारतीय प्रतिभृति और विनिमय बोर्ड (हामीदार) विनिमय, 1993 के उपबंधों के अधीन पृथक रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र अभिप्राप्त कर लेता है, और
 - (iii) आवेदक संविभाग प्रबन्धक के रूप में केवल तभी क्रियाकलाप कर सकता है यदि वह भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (संविभाग प्रबन्धक) विनिमय, 1993 के उपबंधों के अधीन पृथक् रिजस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र अभिप्राप्त कर लेता है।''
 - (ख) (i) विनिमय 6 में खण्ड (क), (कक) के रूप में पुन: संख्यांकित किया जाएगा और पुन: संख्यांकित खण्ड (कक) के पहले नया खण्ड (क) निम्नानुसार अंत:स्थापित किया जाएगा, अर्थात्;
 - ''(कः) आवेदक, समय-समय पर यथा संशोधित भारतीय रिजर्ष बैंक अधिनियम, 1934 (1934 का 2) की धारा 45-I के खण्ड (च) के अधीन यथा परिभाषित एक गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी से भिन्न एक निगमित निकाय होगा'':
 - (ii) विनिमय 6 में, खण्ड (ज) के पहले और खण्ड (छ) के पश्चात् एक नया खण्ड (छछ) अंत:स्थापित किया जाएगा, अर्थात्:
 - ''(क्रष्ठ) आवेदक एक योग्य और उपयुक्त व्यक्ति है;
 - (ग) विनिमय 8 में;

- (i) उप-विनिमय (1) में, शब्दों ''और आवेदक को उस प्रवर्ग का वर्णन करते हुए सूचना देगा जिसके लिए बोर्ड ने प्रमाणपत्र दिया है'' का लोप किया जाएगा;
- (ii) उप-विनिमयों (2) और (3) का लोग किया जाएगा;
- (iii) ठप-विनिमय (4) में, शब्दों "प्रमाणपत्र दिए जाने पर आवेदक" के पश्चात् अब निम्नानुसार पढ़ा जाएगा— "अनुसूची II के अनुसार फीस का संदाय करने का दायी होगा;"
- (iv) उप-विभिमथ (4) के परंतुक का लोप किया जाएगा।
- (घ) विनिमय 9 में, निम्निलिखित उपांतर किए जाएँगे, अर्थात् :---
 - (i) उप-विभिन्नय (3) में, शब्दों ''और आवेदक को'' के पश्चात् अब निम्नानुसार पढ़ा जाएगा— ''सूचना भेजेगा ।''
 - (ii) उप-विनिमय (4) और (5) का लोप किया जाएगा;
 - (iii) उप-विनियम (6) में शब्दों "प्रमाणपत्र दिए जाने पर आवेदक" के पश्चात् अब निम्नानुसार पढ़ा जाएगा—
 "अनुसूची II के अनुसार फीस का संदाय करने का दायी होगा";
 - (iv) उप-विनिमय (6) के परंतुक का लोप किया जाएगा।
- (ङ) विनिमय 13 के पश्चात्, नथा विभिमय 13क निम्नानुसार परिवर्धित किया जाएगा, अर्थात् :
 ''मर्चेंट बैंककार का प्रतिभृति बाजार के उससे भिन्न किसी कारबार से सहयुक्त न होगा''—

13क—कोई मर्चेंट बैंककार बैंक या एक वित्तीय संस्था से भिन्न, जिसे इन विनिमयों के अधीन रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र प्रदान किया गया हो प्रतिभृति बाजार में उस से भिन्न कोई कारबार नहीं चलाएगा ।

ऊपर किसी बात के होते हुए भी, एक मर्चेंट बैंककार जिसमे भारतीय प्रतिभृति और विभिन्नय बोर्ड (मर्चेंट बैंककार) संशोधन विनिन्नय, 1997 की अधिसूचना की तारीख से पूर्व, प्रतिभृति बाजार के उस से भिन्न कारोबार की बाबत संविदा की हो, यदि वह ऐसी वांछा करता है, ऐसी संविदा के अधीन अपनी बाध्यताओं का निर्वहन कर सकेगा ।

स्पष्टीकरण-इस विनिमय के प्रयोजनों के लिए :-

- (i) एक ''बैंक'' का अर्थ बैंककारी विनिमयन अधिनियम, 1949 (1949 का 10) की धारा 5 के अधीन यथा परिभाषित एक बैंककारी कंपनी और बैंककारी कंपनी (उपक्रमों का अर्जन और अंतरण) अधिनियम, 1970 (1970 का 5) तथा बैंककारी कंपनी (उपक्रमों का अर्जन ओर अंतरण) अधिनियम, 1980 (1980 का 40), भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम, 1955 (1955 का 23) तथा भारतीय स्टेट बैंक (समनुषंगी बैंक) अधिनियम, 1959 (1959 का 38) के अधीन गठित तत्समान नया बैंक होगा।
- (ii) एक ''लोक वित्तीय संस्था'' का वही अर्थ होगा जैसा कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 4क के अधीन निबंधन में नियत है और जिसके अन्तर्गत यथास्थिति केन्द्रीय सरकार या राज्य सरकारों द्वारा स्थापित औद्योगिक निगम और वित्तीय निगम आएँगे।''
- (च) अनुसूची I में अंतर्विष्ट प्ररूप क में, शब्दों ''आवेदक का नाम'' के पश्चात् शब्दों ''प्रवर्ग जिसके लिए आवेदन किया गया हैं I/II/III/IV'' को अब निम्नानुसार पढ़ा जाएगा : ''प्रवर्ग I''
- (छ) अनुसूची I में अंतर्विष्ट प्ररूप ख में,
 - (i) पैरा 1 में, शब्द ''प्रवर्ग I'' के पश्चात् और शब्दों ''में मर्चेंट बैंककार के रूप में '' के पहले दिए हुए अकों '' */II */III */IV *'' का लोप किया जाएगा;
 - (ii) पैरा १ में शब्दों "2. विनिधान सलाहकार" के पश्चात् शब्दों "3. निर्गमनों का निम्नांकन" और शब्दों "4. संविधाग प्रबंध सेवाएं" का लीप किया जाएगा;

[फा. सं. भाप्रविबो/विधि/2228/12/97] देवेन्द्र राज मेहता, अध्यक्ष

पाद टिप्पण :

- 1. मूल विनिमय भाप्रविद्यों (मर्चेंट वेंककार) विनिमय, 1992 फा. सं. 20/15/एस ई/92, 22 दिसम्बर, 1992 को भारत के राजपत्र में प्रकाशित हुआ था।
- 2. यह तत्परचात् 7 सितम्बर, 1995 को भाप्रविबो (मर्चेंट बैंककार) संशोधन विनिमय, 1995, फा.सं. भाप्रविबो/विधि-1/9/95, द्वारा और 28 नवम्बर, 1995 को भाप्रविबो (फीस का संदाय) संशोधन विनिमय, 1995, का. आ. 939(अ), द्वारा संशोधित हुआ था और 6 जून, 1996 को भाप्रविबो (मर्चेंट बैंककार) संशोधन विनिमय, 1996, फा.सं. भाप्रविबो/विधि-Ш/5/96, द्वारा और संशोधित हुआ था ।

SECURITIES AND EXCHANGE BOARD OF INDIA

NOTIFICATION

Mumbai, the 9th December, 1997

Securities and Exchange Board of India

(Merchant Bankers) Amendment Regulations, 1997

- S.O. 837(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 30 of the Securities and Exchange Board of India Act, 1992 (15 of 1992), the Securities and Exchange Board of India hereby makes the following regulations further to amend the Securities and Exchange Board of India (Merchant Bankers) Regulations, 1992.
- 1. (i) These regulations shall be called the Securities and Exchange Board of India (Merchant Bankers) Amendment Regulations, 1997.
 - (ii) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
- 2. In the Securities and Exchange Board of India (Merchant Bankers) Regulations, 1992 (hereinafter referred to as the said regulations),—
 - (a) in regulation 3, after sub-regulation (2) a new sub-regulation (2A) shall be added as follows, namely: "2A-Notwithstanding anything contained in this regulation, with effect from 9th December, 1997,
 - (i) an application under sub-regulation (2) can be made only for carrying on the activities mentioned in clause (a) therein, and
 - (ii) an applicant can carry on the activity as underwriter only if he obtains separate certificate of registration under the provisions of Securities and Exchange Board of India (Underwriters) Regulations, 1993, and
 - (iii) an applicant can carry on the activity as portfolio manager only if he obtains separate certificate of registration under the provisions of Securities and Exchange Board of India (Portfolio manager) Regulations, 1993.
 - b. (i) in regulation 6 clause (a) shall be renumbered as (aa) and new clause (a) before renumbered clause (aa) shall be inserted as follows, namely:
 - "(a) the applicant shall be a body corporate other than a non-banking financial company as defined under clause (f) of section 45-I of the Reserve Bank of India Act, 1934 (2 of 1934) as amended from time to time";
 - (ii) in regulation 6, a new clause (gg) before clause (h) and after clause (g) shall be inserted, namely;
 - "(gg) the applicant is a fit and proper person;"
 - c. in regulation 8;
 - (i) in sub-regulation (1), the words "and send an intimation to the applicant mentioning the category for which the Board has granted certificate" shall be omitted;
 - (ii) sub-regulations (2) and (3) shall be omitted;
 - (iii) in sub-regulation (4), the words "for the category for which the registration is granted" appearing after the words "pay the fees" and before the words "in accordance with Schedule II" shall be omitted;
 - (iv) the proviso to sub-regulation (4) shall be omitted.
 - d. in regulation 9, the following modifications shall be made, namely:
 - (i) in sub-regulation (3), the words "mentioning the category for which the Board has granted certificate" appearing after the word "applicant" shall be omitted;
 - (ii) sub-regulations (4) and (5) shall be omitted;
 - (iii) in sub-regulation (6) the words "for the category for which the registration is granted" appearing after the words "pay the fees" and before the words "in accordance with Schedule II" shall be omitted;
 - (iv) the proviso to sub-regulation (6) shall be omitted.

e. After regulation 13, new regulation 13A shall be added as follows, namely:

"Merchant banker not to associate with any business other than that of the securities market-

13A-No merchant banker, other than a bank or a financial institution, who has been granted a certificate of registration under these regulations shall carry on any business other than that in the securities market.

Notwithstanding anything contained above, a merchant banker who prior to the date of notification of the securities and exchange board of India (Merchant Bankers) Amendment Regulations, 1997, has entered into a contract in respect of a business other than that of the securities market, may, if he so desires, discharge his obligations under such contract.

Explanation—for the purposes of this regulation:

- (i) A "bank" shall mean a banking company as defined under section 5 of the Banking Regulations Act, 1949 (10 of 1949) and the corresponding new bank set up under the Banking Companies (Acquisition and Transfer of Undertaking) Act, 1970 (5 of 1970) and Banking Companies (Acquisition and Transfer of Undertaking) Act, 1980 (40 of 1980), State Bank of India Act, 1955 (23 of 1955) and State Bank of India (Subsidiary Banks) Act, 1959 (38 of 1959).
- (ii) A "public financial institution" shall have the same meaning as assigned to the term under Section 4A of the Companies Act, 1956 (1 of 1956) and shall include Industrial Development Corporations and Financial Corporations established by the Central Government or State Governments as the case may be."
- f. in Form A contained in Schedule I, after the words "Name of Applicant" the words "Applied for : II/III/IV" shall be omitted.
- g. in Form B contained in Schedule I,
 - (i) in paragraph 1, the figures "II/III/V" appearing after the word "Category I" and before the words "subject to the conditions" shall be omitted;
 - (ii) in paragraph 1 after the words "2. Investment Adviser" the words "3. Underwriting of Issue" and the words "4. Portfolio Management Service" shall be omitted.;

[F. No. SEBI/LE/2228/12/97]

D.R. MEHTA, Chairman

- **FOOTE NOTE.**—1. The principal regulation SEBI (Merchant Bankers) Regulations, 1992 was published in official Gazette of India on 22nd December, 1992 vide F. No. 20/15/SE/92.
 - 2. It was subsequently amended on 7th September, 1995 by SEBI (Merchant Bankers) Amendment Regulations, 1995 vide F. No. SEBI/LE-1/9/95 and on November 28, 1995 by SEBI (Payment of Fees) Amendment Regulations, 1995 vide S. O. 939 (E) and was further amended on June 6, 1996 by SEBI (Merchant Bankers) Amendment Regulations, 1996 vide F. No. SEBI/LE-III/5/96.